तारे

जेनिफर डसलिंग

चित्रकार: मेविस स्मिथ

तारे

जेनिफर डसलिंग

चित्रकार: मेविस स्मिथ

रात के आसमान को देखो.

क्या तुम्हें आसमान में ढेर सारे

सफेद बिंदु दिखाई देते हैं.

तारे!

बहुत पहले

कुछ लोग मानते थे

कि आकाश एक कटोरे जैसा है

जो उल्टा पड़ा है

और पहाड़ों की

चोटी पर स्थित है.

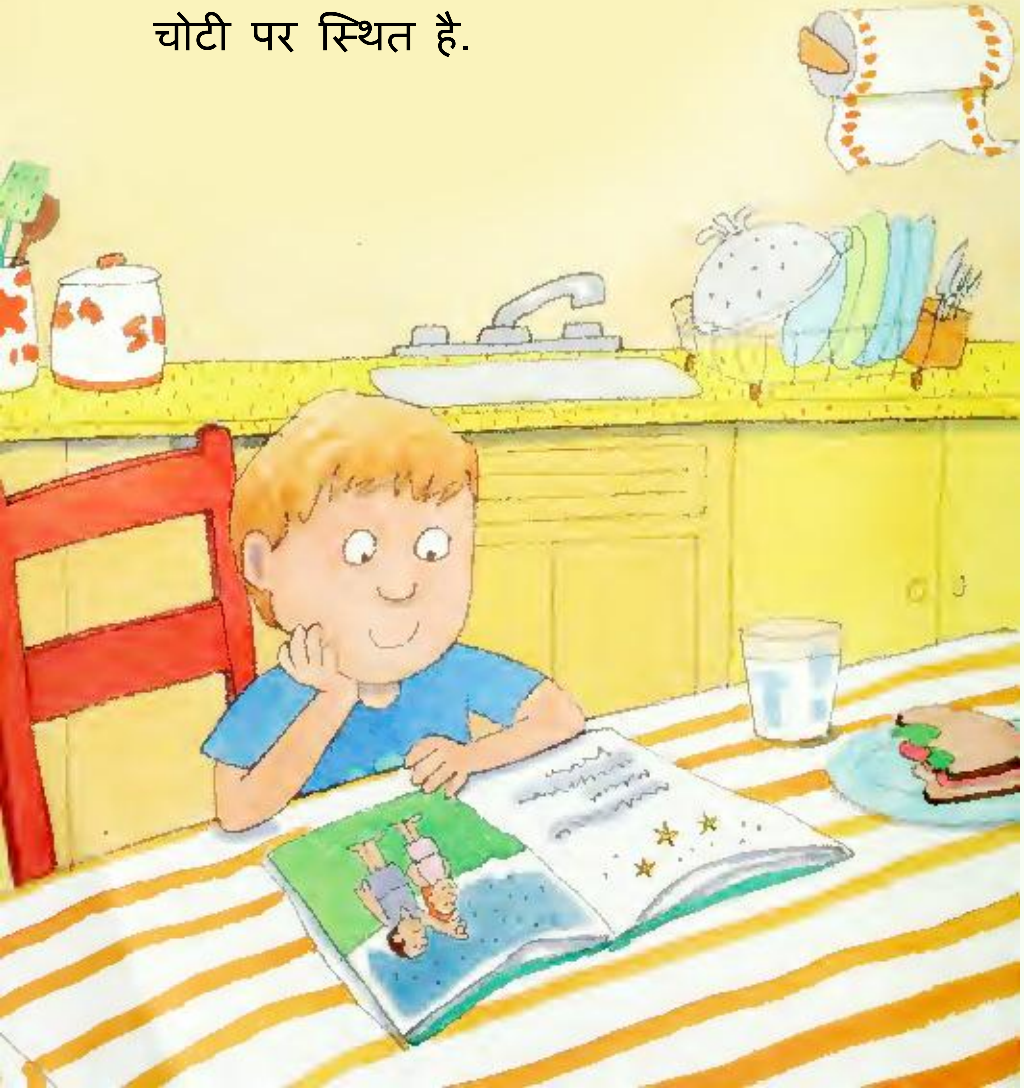

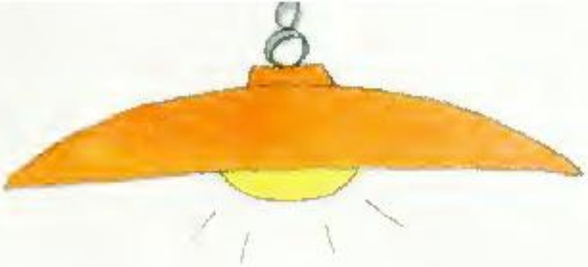

और तारे थे—

उस कटोरे में बने छेद.

कुछ लोगों ने

तारों के बारे में

कहानियाँ गढ़ीं.

तारों का एक समूह
मुकुट जैसा दिखता था.
लोगों ने कहा कि वो
एक राजकुमारी का मुकुट था.
एक देवता राजकुमारी से प्रेम करता था.
लेकिन फिर राजकुमारी की मृत्यु हो गई.

उसके बाद देवता ने वो मुकुट
आकाश में लटका दिया—
ताकि वह उसे हमेशा देख सके.

आज हम जानते हैं

तारे वास्तव में क्या होते हैं.

तारा जलती हुई गैसों का एक गोला होता है.

तारा बहुत गर्म और बहुत चमकीला होता है.

तारे अलग-अलग रंगों के होते हैं.

तारे पीले होते हैं

और नीले.

तारे लाल होते हैं

और नारंगी भी.

लेकिन जब आप आसमान की ओर देखते हैं,

तो आपको ज़्यादातर सफ़ेद तारे ही दिखाई देते हैं.

तारे बड़े होते हैं—

बहुत, बहुत बड़े,

वे सिर्फ़ इसलिए छोटे दिखते हैं

क्योंकि वे

हम से बहुत दूर होते हैं.

सबसे बड़े तारे

और पृथ्वी के की तुलना इस तरह करें.

आपके एक हाथ में फुटबॉल है.

वह एक बड़ा तारा है!

आपके दूसरे हाथ में रेत का एक छोटा कण है.

तब वो हमारी पृथ्वी होगी.

एक तारा अन्य तारों की तुलना में

हमारे सबसे करीब है.

लेकिन वो सबसे बड़ा तारा नहीं है.

लेकिन वो हमें बहुत बड़ा दिखता है

क्योंकि वो हमारे बहुत पास है.

हम उसकी गर्मी महसूस करते हैं.

वो तारा हमारा सूर्य है.

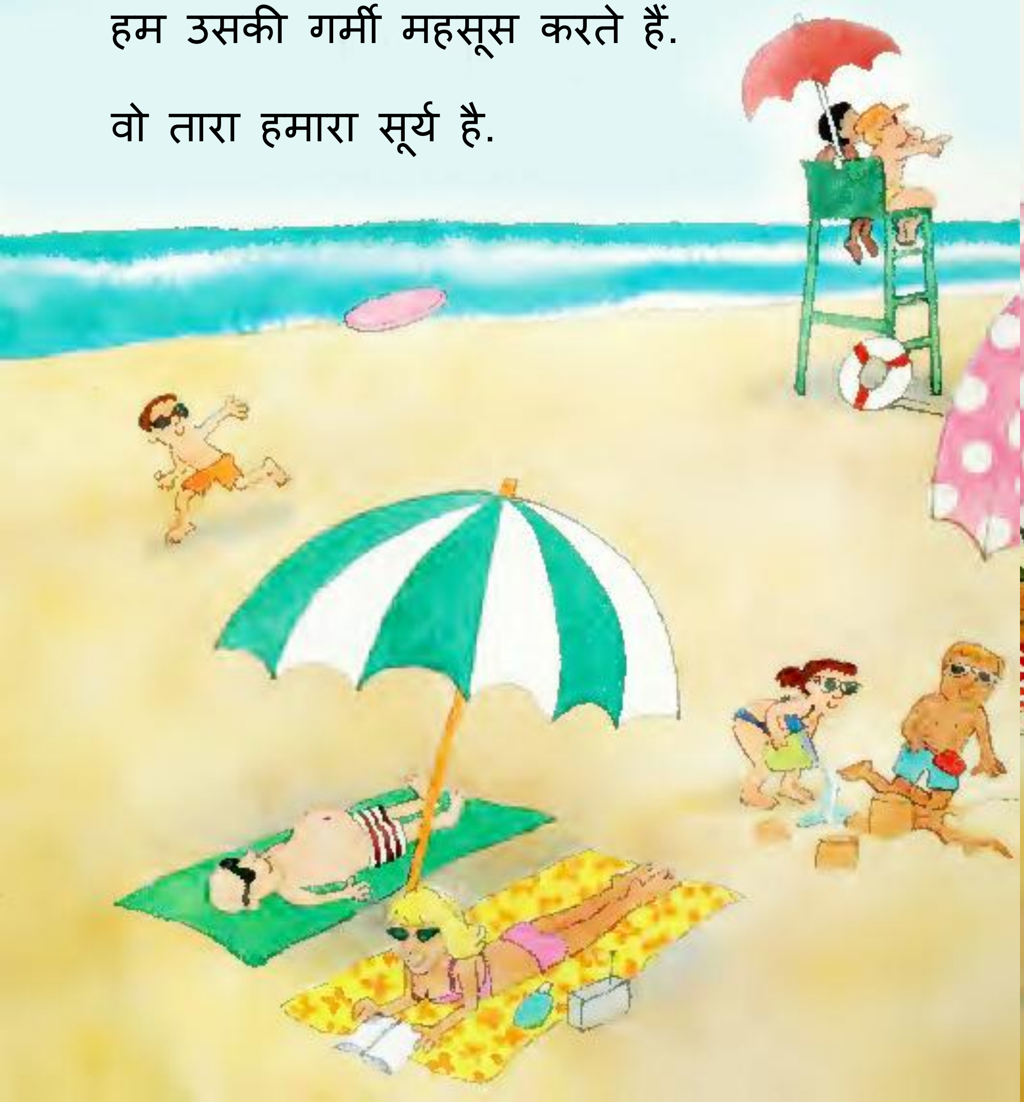

सूर्य के बिना,

पृथ्वी पर कोई भी पौधा

नहीं उग पाता.

दिन में

सूर्य इतना चमकीला होता है

कि हम दूसरे तारों को नहीं देख पाते.

लेकिन आसमान में तारे मौजूद होते हैं.

क्या आप कभी दिन में

तारे देख सकते हैं?

हाँ!

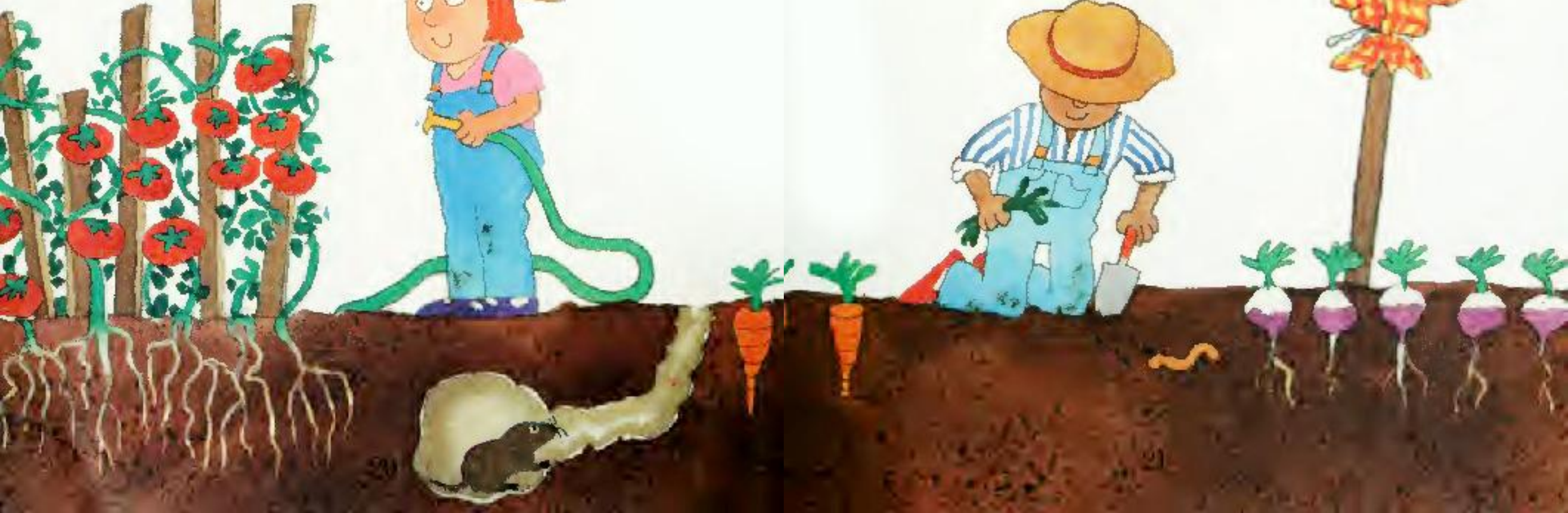

कभी-कभी चंद्रमा सूर्य के प्रकाश को

छिपा देता है,

उसे ग्रहण कहते हैं.

बिना आँखों को नुकसान पहुँचाए

भी आप ग्रहण को देख सकते हैं.

ग्रहण देखने के कुछ खास तरीके हैं.

ग्रहण के दौरान,

दिन काला और ठंडा हो जाता है.

आसमान में तारे निकल आते हैं.

और कुछ जानवर सो जाते हैं.

उन्हें लगता है कि रात हो गई है.

लेकिन कुछ ही मिनटों में,

चाँद निकल आता है.

सूरज वापस निकल आता है.

और फिर से दिन हो जाता है!

बहुत पहले

नाविक समुद्र पार करने के लिए

तारों का इस्तेमाल करते थे.

नाविकों ने तारों का एक नक्शा बनाया.

इससे उन्हें पता चलता था

कि वे कहाँ जा रहे हैं.

आज भी तारे लोगों को

रास्ता ढूँढ़ने में मदद करते हैं.

सात तारों का एक समूह

हमें उत्तर दिशा दिखाता है.

तारों के समूह अलग-अलग लोगों को

अलग-अलग चीजें लग सकते हैं.

तारों का यह समूह हमें एक बड़े चमचे जैसा लगता है!

हम इसे “बिग डिपर” या सप्तऋषि मंडल कहते हैं.

ऊपर देखो!

क्या तुम सप्तऋषि मंडल को ढूँढ़ सकते हो?

सप्तऋषि मंडल, रात के आकाश में

अन्य लाखों-करोड़ों तारों में कहीं छिपा है.

तारे

तारे क्या हैं?

वे कितने बड़े हैं?

हम उन्हें

दिन में क्यों नहीं देख पाते?

तारों के बारे में सब कुछ

इस पुस्तक में जानें

जिसे आप खुद

पढ़ सकते हैं.